११. दादा का सुदर्शन

दादा का सुदर्शन दुनिया को दीखा देंगे
ज्ञानांकित वचनों से, सोये को जगा देंगे

आमूल परिवर्तन जीवनका साफल्य
तन मन धन से ''अहिंसा'', व्यवहारमें समभाव्य

''निश्चय'' में शुद्धात्मा, सत्संग जमा देंगे
नफरत की बदियों को मुहब्बतसे जला देंगे.... दादा का

जग ''सत्य'' असत्यो से आग्रह से चढता झेर
केवल ''सत्'' लक्षांकी संयम से घटा दे वैर

समता से समझौता, विज्ञान सीखा देंगे
श्रद्धा की अंजलि से, प्रीत सागर पी लेंगे.... दादा का

काया का ''परिग्रह'' से, लक्ष्मीविषयों की भूख
दुःखद परिणाम अज्ञान, आत्मा का गुण है सुख

''परिषह'' की तपस्या ''ज्ञेय'' खुद ज्ञाता देखेंगे
मुक्ति विश्वासी को नयी राह चला देंगे.... दादा का

नुकशान बडा भारी, ''चोरी'' की निय्यत से
''अ-चौर्य'' से नीडरता, निर्भय हो तबियत से

आदत - मजबुरीमें, शुभ भाव प्रगट करले,
भीतर के कचरे को हम खुद ही जला देंगे.... दादा का

''अब्रह्मचर्य'' से ताकात की हानि है
पुद्गल पाचनका सार, आनंद प्रदानी है

अणुव्रत महाव्रतमें नोर्मल बन सर्वांगे
अमृतकुंभा पी कर मर के भी जी लेंगे.... दादा का